__/__/____

Tender Heart High School, Sector 33-B, Chandigarh

Date- Class - IV
Subject - Hindi Language Page - 1
Subject Teachers - Ms. Roma Rani
Ms. Suman Sharma.

'अपठित गद्यांश'

सुप्रभात प्यारे बच्चो!

यह पाठ 'अपठित गद्यांश' कक्षा चौथी की हिन्दी व्याकरण का है। यह पाठ आपको 21 नवंबर, 2021 को भेजा जाएगा।

प्यारे बच्चो! आज हम इस पाठ में 'अपठित गद्यांश' के बारे में पढ़ेंगे। इस लिए सभी बच्चे अपने पास हिन्दी की एक अभ्यास पुस्तिका भी रख लें, क्योंकि मैं आपको पाठ के बीच में कुछ कार्य लिखने के लिए भी दूँगी। बच्चो! अब मैं आपको 'अपठित गद्यांश' के विषय में समझाऊँगी। यदि आप तैयार हैं, तो मैं 'अपठित गद्यांश' समझाने जा रही हूँ।

बच्चो! अपठित का अर्थ है 'जो पहले पढ़ा न गया हो' + गद्यांश (गद्य का अंश) अर्थात् गद्य का ऐसा अंश, जिसे पहले न पढ़ा गया हो। ऐसा गद्यांश देकर उस पर आधारित प्रश्न पूछे जाते हैं। इसमें रचनात्मक कौशल व समझने की योग्यता का विकास होता है। साधारणत: हम पाठ्यपुस्तकों के गद्यांशों को पढ़ते व समझते हैं, जिससे गद्यांशों को समझने व उनसे संबंधित प्रश्नों के उत्तर देने की योग्यता का विकास होता रहता है। इस योग्यता को और अधिक विकसित करने व सामान्य ज्ञान बढ़ाने के लिए अपठित गद्यांश का अभ्यास करवाया जाता है।

Scanned with CamScanner

__/__/____

Date - Class - IV
Subject - Hindi Language Page - 2
Subject Teacher - Ms. Roma Rani
Ms. Suman Sharma.

बच्चो ! अपठित गद्यांश को करते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए।

(क) दिए गए गद्यांश को दो-तीन बार ध्यानपूर्वक पढ़ना चाहिए।
(ख) पूछे गए प्रश्नों के उत्तर गद्यांश में से ही ढूँढकर अपने शब्दों में लिखने चाहिए।
(ग) प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में तथा सरल भाषा में देने चाहिए।
(घ) यदि गद्यांश का शीर्षक पूछा जाए तो ध्यान रखना चाहिए कि शीर्षक संक्षिप्त और सटीक होना चाहिए। उसका संबंध विषय-वस्तु के साथ होना चाहिए।

बच्चो ! मैंने 'अपठित गद्यांश' के बारे में समझा दिया है। अब मैं उसके आधार पर आपसे कुछ प्रश्न पूछूँगी। अब आप यहाँ तीन मिनट का अंतराल लेंगे और इन प्रश्नों के उत्तर अपनी अभ्यास पुस्तिका में लिखेंगे।

प्रश्न 1. अपठित शब्द का क्या अर्थ है ?
प्रश्न 2. अपठित गद्यांश करने से किस कौशल का विकास होता है ?
प्रश्न 3. गद्यांश का शीर्षक कैसा लिखना चाहिए ?

बच्चो ! अब आपका अंतराल का समय समाप्त हो गया है। अब मैं आपको इन के उत्तर बताऊँगी।

उत्तर -1. अपठित का अर्थ है - जो पहले न पढ़ा गया हो।
उत्तर - 2 रचनात्मक कौशल
उत्तर -3. शीर्षक संक्षिप्त और सटीक होना चाहिए।

बच्चो ! आज हम एक गद्यांश करना सीखेंगे। सभी बच्चे इसे ध्यानपूर्वक पढ़ेंगे एवं समझेंगे।

Scanned with CamScanner

__/__/__

Date - Class- IV
Subject - Hindi Language Page- 3
Subject Teachers- Ms. Roma Rani
Ms. Suman Sharma.

कपिलवस्तु में शुद्धोदन नाम के एक राजा राज करते थे। उनके पुत्र का नाम सिद्धार्थ था। सिद्धार्थ का एक चचेरा भाई देवदत्त था। दोनों के स्वभाव में ज़मीन-आसमान का अंतर था। सिद्धार्थ अत्यंत उदार और दयालु था जबकि देवदत्त अत्यंत क्रूर और क्रोधी स्वभाव का था। एक दिन वे दोनों बगीचे में खेल रहे थे। तभी उन्हें आसमान में एक हंस उड़ता दिखाई दिया। देवदत्त ने अपने धनुष से उस पर निशाना लगाया। हंस घायल होकर गिर पड़ा। घायल हंस को सिद्धार्थ ने उठा लिया। उसने उसके पंखों से तीर निकाला और उसकी मरहम-पट्टी की। तभी देवदत्त सिद्धार्थ के पास आया और बोला, "मैंने उसे तीर से गिराया है, अतः यह हंस मेरा है।" देवदत्त की ये बात सुनकर सिद्धार्थ तुरंत बोला, "यंह मेरा है, क्योंकि मैंने इसकी जान बचाई है।"

(क) कपिलवस्तु में किसका राज था ?
(ख) सिद्धार्थ के चचेरे भाई का क्या नाम था ?
(ग) हंस को तीर किसने मारा था ?
(घ) घायल हंस की मरहम - पट्टी किसने की ?
(ङ) सिद्धार्थ ने देवदत्त से क्या कहा ?

Last page

Scanned with CamScanner